

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

CVG-002

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र

(सी. वी. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

सी.वी.जी.-002 : वैदिक अंकगणित

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं।

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3×20=60

(i) अंकगणित में प्रादुर्भाव का विस्तार से वर्णन कीजिए।

- (ii) 45×99 को एकन्यूनेन पूर्वेण सूत्र से हल कीजिए।
- (iii) 'एकाधिकेन पूर्वेण' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
- (iv) 'निखिलं नवतः चरमं दशतः' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$$4 \times 10 = 40$$

- (i) महावीर आचार्य का कृतित्व लिखिए।
- (ii) ब्रह्मगुप्त आचार्य का गणित के क्षेत्र में क्या योगदान है?

[3]

(iii) आर्यभट्ट आचार्य द्वारा रचित ग्रन्थ का परिचय दीजिए।

(iv) भारती कृष्णतीर्थ के वैदिक गणित का उल्लेख कीजिए।

(v) आचार्य श्रीपति के व्यक्तित्व एवं कृतियों का वर्णन कीजिए।

× × × × ×